

क्षुद्रता स्त्री. (तत्.) नीचता, कमीनापना, ओछापन।

क्षुद्रपति पुं. (तत्.) कुबेर।

क्षुद्रपद पुं. (तत्.) दस अंगुल के बराबर लंबाई की नाप।

क्षुद्र प्रकृति वि. (तत्.) छोटे तथा ओछे स्वभाववाला, ओछा, खोटा।

क्षुद्र बुद्धि वि. (तत्.) ओछे विचार वाला, छोटी या तुच्छबुद्धि वाला, मूर्ख, नासमझ।

क्षुद्रम पुं. (तत्.) धातु आदि तौलने के लिए छह मासे की एक तौल, छदाम।

क्षुद्र रोग पुं. (तत्.) छोटे रोग।

क्षुद्र शार्दूल पुं. (तत्.) चीता।

क्षुद्र शीर्ष पुं. (तत्.) मयूरशिखा वृक्ष।

क्षुद्र श्वास पुं. (तत्.) एक प्रकार का श्वासरोग।

क्षुद्र स्वर्ण पुं. (तत्.) पीतल।

क्षुद्रांजन पुं. (तत्.) आँवले आदि के योग से बनाया हुआ एक प्रकार का अंजन।

क्षुद्रांत्र पुं. (तत्.) हृदय के पास की एक छोटी नाड़ी।

क्षुद्रा स्त्री. (तत्.) 1. निम्न विचारों वाली स्त्री 2. कुलटा, वेश्या 3. मक्खी 4. मधुमक्खी 5. विकलांग स्त्री 6. अमलोनी 7. जटामासी 8. प्राचीन समय की छोटी नाव 8. नृत्यांगना 9. कंटकारी 10. हिचकी।

क्षुद्राग्निमंथ पुं. (तत्.) छोटी मनियारी।

क्षुद्रात्मा वि. (तत्.) नीच, हीन विचार वाला।

क्षुद्राशय वि. (तत्.) नीच प्रकृति वाला, कमीना, नीच, 'महाशय' का विलोम।

क्षुद्रिका स्त्री. (तत्.) छोटी घंटी, डाँस।

क्षुद्रुल वि. (तत्.) 1. बहुत ही छोटा या तुच्छ 2. परम हीन।

क्षुधा स्त्री. (तत्.) 1. भूख 2. किसी चीज की विशेष आवश्यकता 3. अतृप्ति।

क्षुधाक्षीण वि. (तत्.) भूख से दुर्बल, अनाहार से सूखा हुआ।

क्षुधातुर वि. (तत्.) भूखा, जिसे भूख लगी हो, भूख से पीड़ित।

क्षुधानिवृत्ति स्त्री. (तत्.) भूख की शांति, पेट भरना।

क्षुधार्त वि. (तत्.) भूख से कातर, भूखा, भूख से पीड़ित।

क्षुधालु वि. (तत्.) जिसे सदैव भूख लगी रहती हो, भुक्खड़, पेटू।

क्षुधावंत वि. (तत्.) भूखा, क्षुधा से पीड़ित।

क्षुधित वि. (तत्.) भूखा, जिसे भूख लगी हो, बुभुक्षित।

क्षुप पुं. (तत्.) 1. छोटे तने, डालियों वाला पेड़ 2. झाड़ 3. इक्ष्वाकु के पिता 4. कृष्ण का एक पुत्र।

क्षुपक पुं. (तत्.) झाड़ी, गुल्म।

क्षुब्ध वि. (तत्.) 1. क्षोभयुक्त, उत्तेजित, अशांत, व्याकुल 2. भयभीत, डरा हुआ 3. कुपित, क्रुद्ध पुं. (तत्.) 1. मथानी की डंडी 2. एक प्रकार का रतिबंध या कामशास्त्र की क्रिया।

क्षुभ वि. (तत्.) 1. उत्तेजित करने वाला 2. प्रवर्तक।

क्षुभा स्त्री. (तत्.) 1. एक तरह का हथियार, एक प्रकार के सूर्य के परिषद् देवता।

क्षुमा स्त्री. (तत्.) 1. रेशेदार पौधा-अलसी, पटसन, आदि 2. बाण।

क्षुभित वि. (तत्.) 1. अशांत 2. क्रुद्ध, क्षुब्ध 3. भीत।

क्षुर पुं. (तत्.) 1. क्षुरा, उस्तरा 2. बाण की या छुरे की धार जैसी गाँसी 3. खुर 4. गोबर 5. चारपाई का पावा।

क्षुरधार पुं. (तत्.) 1. छुरे की धार जैसे पत्तों वाला (वृक्ष) 2. क्षार नामक बाण 3. छुरे की धार जैसा पैना पत्ता वि. छुरे की जैसी धार वाला।